rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, मंगलवार 27 फरवरी 2024

विकासखंड स्तरीय फसल अवशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में विकास खंड स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर उर्वरक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें।

5.12
न्यूनतम 15.0°
62,710
78,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 236 कानपुर, मंगलवार 27 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत हुआ विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में विकास खंड स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेषों से जो आवश्यक

पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान ओम प्रकाश सिंह, रामासरे राजपूत सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत हुआ विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में विकास खंड स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ–साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं।उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान ओम प्रकाश सिंह, रामासरे राजपूत सहित एक सैकडा से अधिक किसान उपस्थित रहे।

फसल अवशेषों के बारे में किसानों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

कानपुर, 26 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में विकास खंड स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी।

सत्य का असर समाचार पत्र

27,02, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत हुआ विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में विकास खंड स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कहा कि फसल अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। इस अवसर पर वरिष्ठ गृह वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं। उनमें स्ट्रॉ चॉपर,हैप्पी सीडर, मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में एफसीए गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान ओम प्रकाश सिंह, रामासरे राजपूत सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।

1 2